दिनांक 30 अगस्त, 2010 को लखनऊ में बिजनेस स्टैण्डर्ड के हिन्दी संस्करण द्वारा आयोजित गोलमेज कान्फ्रेंस हेतु महामहिम श्री राज्यपाल का उद्‌बोधन

——————

देवियों एवं सज्जनों,

मुझे आज हिन्दी बिजनेस स्टैण्डर्ड द्वारा आयोजित इस गोलमेज कान्फ्रेंस में आप सबके बीच आकर बड़ी प्रसन्नता हो रही है। आज की यह कान्फ्रेंस प्रदेश के औद्योगिक विकास में अब तक क्या प्रगति हुई है और आगे इस दिशा में क्या किया जाना जरूरी है, इस अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय पर आधारित है। इस बात की

बेहद प्रसन्नता है कि समाचार पत्र बिजनेस स्टैण्डर्ड भी ऐसे आयोजन के माध्यम से प्रदेश के विकास के लिये प्रयासरत है।

आज का युग उद्योग और व्यापार का युग है। आज उद्योग जगत पर यदि दृष्टि डालें तो यह स्वतः स्पष्ट हो जाता है कि विकसित देश हों अथवा विकासशील देश हों– सभी उद्योग और व्यापार की दौड़ में एक–दूसरे से बाजीमार ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। भारत ने यद्यपि आजादी के बाद सभी क्षेत्रों में प्रगति की है, कृषि और उद्योग के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति करके हमने अन्तर्राष्ट्रीय औद्योगिक मानचित्र पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है और एक प्रतिष्ठित पहचान बना ली है। लेकिन विकसित

देशों के समकक्ष आने के लिये अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

विकसित राष्ट्रों के समकक्ष आने के लिये बदलते हुए आर्थिक परिवेश में देश के उद्यमियों के साथ राज्य सरकारों को भी अपने काम–काज के तरीकों, नीति एवं कार्य संस्कृति में रचनात्मक बदलाव लाना होगा, जिससे आर्थिक सुधारों का भरपूर लाभ उठाया जा सके। अन्तर्राष्ट्रीय नीतियों के उदारीकरण का सबसे बेहतर नतीजा यह निकला है कि अब भारतीय उद्यमियों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, जिसका सकारात्मक प्रभाव उत्पादों व सेवाओं की गुणवत्ता पर पड़ा है।

हमारे उद्यमियों को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में अपने उत्पादों की गुणवत्ता में अपेक्षाकृत अधिक सुधार लाना होगा।

उत्तर प्रदेश एक विशाल राज्य है। सम्पूर्ण देश की लगभग 16.17 प्रतिशत जनसंख्या उत्तर प्रदेश में निवास करती है और इस दृष्टि से राज्य का देश में प्रथम स्थान है। भौगोलिक, सामाजिक, ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विविधताओं एवं विशेषताओं से युक्त इस विशाल राज्य का अपना एक विशिष्ट स्थान है। इसे देश का हृदय प्रदेश भी कहा जाता है। वास्तविकता यह है कि प्रदेश का लगभग हर जिला किसी न किसी विशेष उत्पाद के लिए जाना जाता है। सबका उल्लेख करना तो मुश्किल है फिर भी जैसे लखनऊ

चिकनकारी व जरदोजी के लिये, मिर्जापुर, भदोही कालीन उद्योग के लिये, आगरा और कानपुर चर्म उत्पाद के लिये। शायद ही प्रदेश का ऐसा कोई जिला होगा जो किसी न किसी उत्पाद, पुरातत्व महत्व या तीर्थ के लिये प्रसिद्ध न हो। ऐसे में उस क्षेत्र को और प्रसिद्धि मिल सकती है।

हमारे प्रदेश में उद्योगों के लिए पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं और प्राकृतिक सम्पदा भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। इन संभावनाओं को कार्यरूप देकर प्रदेश में विकास की गति को तेज किया जा सकता है। कृषि आधारित उद्योगों की भी यहाँ अपार सम्भावनाएं हैं।

प्रदेश में निवेश की आदर्श स्थितियों के सृजन के लिए अनेक नीतियों का निर्धारण किया गया है जिनमें से औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र निवेश नीति, हाईटेक टाउनशिप विकास नीति, सूचना प्रौद्योगिकी नीति, जैव प्रौद्योगिकी नीति, खाद्य प्रसंस्करण नीति, ऊर्जा नीति, चीनी उद्योग प्रोत्साहन नीति आदि प्रमुख हैं। इन सभी नीतियों का लक्ष्य निजी क्षेत्र की सहभागिता को प्रोत्साहन करके विकास की गति को तेज करना है।

सम्प्रति उत्तर प्रदेश में निवेश जीएसडीपी का 20 प्रतिशत है जो राष्ट्रीय औसत का 35 प्रतिशत है। हमें निवेश के औसत को बढ़ाने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश में निवेश को आकृष्ट करने के

लिये राज्य सरकार ने कई परियोजनाओं की शुरूआत की है। 12वीं पंच वर्षीय योजना (2012–2017) के अन्त तक प्रदेश सरकार ने 25,000 मेगावाट ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है।

प्रदेश में मार्ग एवं राष्ट्रीय मार्ग के सम्बन्ध में कई महत्वाकांक्षी योजनाओं पर काम हो रहा है। प्रदेश में किसानों को उनके उत्पाद को उचित मूल्य दिलाने की दृष्टि से दूर–दराज गाँवों को जोड़ने के लिये लिंक रोड का एक नेटवर्क बनाया जा रहा है। मेट्रो रेल को चिन्हित शहरों में विकसित करने की भी योजना है।

पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कुशीनगर में अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा विकसित करने की योजना बनाई है। अच्छी टाउनशिप व **Super Specialty Hospitals** के निर्माण के लिये निजी कम्पनियों को भी आमंत्रित किया गया है।

नये आर्थिक वातावरण में प्रदेश को देश से और देश को विश्व से जोड़कर विकास को गतिशीलता प्रदान करने की अपार संभावनायें है। सूचना प्रौद्योगिकी के विकास की भी प्रदेश में व्यापक सम्भावनाएं निहित हैं। आवश्यकता इस बात की है कि उद्यमी समाज इनका लाभ लेकर उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी

राज्य बनाने में सहयोग करें, ताकि यह प्रदेश आर्थिक रूप से समृद्ध हो सके और वे स्वयं भी लाभान्वित हों।

मुझे आशा है कि आज के इस आयोजन से देश एवं प्रदेश के उद्यमियों में एक नई जागृति उत्पन्न होगी। उनके लिये नई सम्भावनाओं के द्वार खुलेंगे, जिसका लाभ उभय पक्षों को मिलेगा।

अंत में इस कान्फ्रेंस की सफलता के लिये मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ और हिन्दी बिजनेस स्टैण्डर्ड को इस अर्थपूर्ण आयोजन के लिए साधुवाद देता हूँ।

धन्यवाद – नमस्कार